जवाहरलालनेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस.द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक–56
दिनांक–03.06.2024

आदन विक्रेताओं को कीट नाशी, फंफूद नाशीआदि के न्याय संगत प्रयोग के बारे में दी महत्वपूर्ण सलाह–डॉ. डी.पी.शर्मा

33 अदान विक्रेताओं ने अदान विक्रय व प्रयोग के संबंध में जानकारी प्राप्त की

जबलपुर 3 मई,2024। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर के कुलगुरू डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर में 12 दिवसीय कीट नाशी प्रबंधन प्रमाण पत्र कोर्स का चतुर्थ बैच लाइसेंस धारक कीट नाशी विक्रेताओं हेतु 20 मार्च 2024 से नोडल ट्रेनिंग सेंटर केविके जबलपुर में आयोजित किया गया है। वर्तमान समय में अधिकतर किसानों द्वारा कीट नाशियों का प्रयोग अधिक एवं अनुचित तरीके से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा ने जिले के आदान–विक्रेताओं की कीट नाशी, फफूंद नाशी आदि के न्यायसंगत प्रयोग के बारे में महत्वपूर्ण सलाह दी ताकि किसान फसलों, मृदा पर्यावरण व पानी में कीट नाशी के अवशेष की कमी कर कम लागत में फसलोंत्पादन से अधिक लाभ अर्जित करते हुए, पर्यावरण हितैशी कृषि कर सके।

डॉ. शर्मा ने बताया कि कृषकों के मार्गदर्शन में कीटनाशी विक्रेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिसे कृषक व देशहित में विक्रेताओं को उक्त कार्य ईमानदारी से करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन इस कोर्स के कोआडीनेटर डॉ. ए.के. सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला सहित केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. प्रमोद गुप्ता, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. निहारिका शुक्ला, डॉ. जी.जी. एनी आदि उपस्थित रहकर अपना महत्पूर्ण योगदान दिया। साथ ही श्री कालरा सहित कुल 33 अदान विक्रेताओं ने उपस्थित रहकर अदान विक्रय व प्रयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की।